(सिन्धुघाटी सभ्यता से 640 ए . डी .तक)

नियमित अद्ययन – प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत, सिन्धुघाटी सभ्यता, नगर विकास योजना, आर्थिक और धार्मिक परिस्थिति, वैदिक युग, सामाजिक,आर्थिक और धार्मिक परिस्थिति, छठी शताब्दी इसा पूर्व उतरी भारत की राजनैतिक स्थिति, मगध साम्राज्य के उत्थान से लेकर नन्दवंश के उत्थान तक, परसिया एवं मसिदेनिया का आक्रमण, मोर्य साम्राज्य, चन्द्रगुप्त मैर्य का जीवनकाल और उसकी सफलताएँ, अशोक का कलिंग युद्ध, साम्राज्य का विस्तार, बोद्ध धर्म का प्रचार, मोर्य साम्राज्य का पतन, शुंग वंश, सातवाहन, कनिष्क का राजकाल और सफलताएँ गुप्तवंश – समुद्रगुप्त और चन्द्रगुप्त दुतीय, स्कन्दगुप्त, गुप्तवंश का पतन,हर्षवर्धन की सफलताएँ हर्षवर्धन सम्राज्य का विस्तार, भारत पर हूणों का आक्रमण ।

A. I. A. S. (Subsidiary) **पूर्णांक 100**

प्राचीन भारतीय एशियाई अध्ययन
प्राचीन भारत का राजनैतिक इतिहास (Part-I)

प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत, सिन्धुघाटी सभ्यता, नगर योजना, सामाजिक,आर्थिक एवं धार्मिक परिस्थिति, वैदिक –युग का सामाजिक, आर्थिक परिस्थिति, छह शताब्दी ईशा पूर्व उतरी भारत को राजनैतिक परिस्थिति, मगध का राजनैतिक उत्थान, नन्दवंश तक परसियन आक्रमण मशीदोनियं आक्रमण, मोर्य साम्राज्य, चन्द्रगुप्त मोर्य, जीवनकाल कि सफलताएँ । अशोक साम्राज्य का विस्तार । कलिंगवार, धम्म और उसका प्रचार । मौर्य साम्राज्य का पतन । कुबाम शुंग सातवाहन । कनिष्क के सफलता । गुप्त साम्राज्य – समुद्रगुप्त,चन्द्रगुप्त, स्कन्दगुप्त, गुप्त साम्राज्य का पतन । हूणों का भारत पर आक्रमण,गुप्त वकाटक सम्बंध हर्षवर्धन का जीवनकाल, सफलताएँ । हर्षवर्धन साम्राज्य का विस्तार

(Paper-I) प्राचीन भारत का राजनैतिक इतिहास

पूर्णांक : 100

निर्धनित अध्ययनन – प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत, सिन्धुघाटी कि सभ्यता, नगर योजना सामाजिक आर्थिक परिस्थिति वैदिकयुग –सामाजिक आर्थिक और धार्मिक स्थिति छठी शताब्दी में उतरी भारत कि राजनैतिक परिस्थिति, मगध साम्राज्य के नन्द तक का उत्थान परसियन और मैसिडोनियन आक्रमण, मोर्य साम्राज्य –चन्द्रगुप्त मैर्य का जीवन । व्रतांत और सफलताएँ अशोक का कलिंग युग बोद्ध धर्म और उसका प्रचार, मौर्य साम्राज्य का पतन,शुंग वंश, सातवाहन, कनिष्क की सफलताएँ, गुप्त साम्राज्य, समुद्रगुप्त और चन्द्रगुप्त दुतीय, गुप्त साम्राज्य का पतन हर्ष कि उपलब्धियाँ एवं सम्राज्यवाद का विस्तार राष्ट्रकूट का उतरी आक्रमण राजराजचोल राजेन्द्र चोल की सफलताएँ पल्लव की उपलब्धियाँ

प्राचीन भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास
(Paper – II)
प्रारम्भ से 647 ए.डी .तक

पूर्णांक : 50

समूह 'क' (सामाजिक इतिहास)

सामाजिक इतिहास के स्रोत, वर्ण एवं जाति –व्यवस्था, आश्रम प्रणाली, संस्कार,विवाह,महिला कि स्थिति, पूत्र के प्रकार, गुरुकुल प्रणाली,शिक्षा, उदेश्य और आदर्श,दास –प्रथा,अस्प्रीस्यता,नालंदा,विक्रमशिला और तक्षशिला – विश्वविद्यालय ।

समूह 'ख ' (आर्थिक इतिहास)

पूर्णांक – 50

प्राचीन भारतीय आर्थिक इतिहास जानने के स्रोंत कृषि,भूमि का स्वामित्व, कर व्यवस्था,व्यापार एवं वाणिज्य उध्योग धन्धे,श्रेणी प्रणाली

प्राचीन भारत एवं एशियायी अध्ययन (प्रतिष्ठा)
तृतीय- पत्र : दक्षिन- पूर्वी एशिया का सांस्कृतिक इतिहास
(प्रथम शताब्दी से 1500 ए. डी.)

पाठ्य – सामाजिक,धार्मिक कला एवं संस्कृतिक, भाषा एवं साहित्य (कम्बोडिया चम्पा, स्याम) इंडोनेशिया (जावा एवं सुमात्रा) ।
अभिस्तावित पुस्तकें – 1 दक्षिण –पूर्वी एशिया में भारतीय संस्कृति – सत्यकेतु सत्यकेतु विद्यालंकार ।
2 दक्षिण – पूर्वी एशिया में भारतीय संस्कृति – आर . एन . पाण्डेय ।
अथवा, भारतीय कला संस्कृति एवं पुरातत्व ।
पाठ्य – भारतीय कला का इतिहास , मौर्य कला, गंधार कला, मथुरा कला, अजन्ता पेंटिग, संस्कृति, अशोक स्तंभ, साँची स्तूप, भाषा एवं काली गुफाएँ गुप्ता मंदिर, ओरिसन मंदिर (लिंगराज एवं कोणार्क) खजुराहो मंदिर (खंदारीक महादेवा मंदिर), एलोरा मंदिर (कैलाश नाथ), बल्लभ संस्कृति (महाबली पुरम पथ), चोला मंदिर (ब्रिह्देश्वर) ।

पुरातत्व – पुरातत्व से परिचय, भारतीय पुरातत्व का इतिहास, जगह कि व्याख्या । एक्सकोमिटों का सिधांत ।

B .A .Part- II : प्राचीन भारतीय राजनीति

धारणा चतुर्थ से युग वेदिक) : पत्र –637 ए.डी.

धारणा – राज्य की उत्पति सप्तांग सिधांत, राज्य के कार्य एवं धारणा । राजतन्त्र कि उत्पति, सभा एवं समिति, प्रजातंत्र, दिढ़ एवं कमजोर बिंदु एवं विशेस्तएं
मंत्रिपरिषद – मोर्य का प्रशासन, गुप्त, हर्ष एवं सातवाहन ।
ग्राम प्रसाशन, शहरी प्रसाशन, राज्य का मण्डल सिध्दांत, कराधन आय – व्यय ।
अभिस्तावित पुस्तकें –

1. प्राचीन भारतीय शासन पद्धति – अलकेतर,
2. प्राचीन भारतीय राजनीति तथा शासन व्यवस्था – राधाकृष्ण चौधरी,
3. प्राचीन भारत में राजनीति शासन – व्यवस्था – सत्यकेतु विधालंकार ।

<u>प्राचीन भारत का सामाजिक तथा आर्थिक इतिहास (जेनरल कोर्स)</u>
(आरम्भ से 647 AD) <u>द्वितीय पत्र</u>
खण्ड – क : सामाजिक इतिहास

सामाजिक इतिहास की धारणा, वर्ग तथा जाति, व्यवस्था, आश्रम प्रथा संस्कार, विवाह, स्त्रियों की स्थिति, पुत्र के प्रकार, गुरुकुल प्रथा, अध्यापक तथा विधार्थी का सम्बन्ध, शिक्षा, छुआछुत, शैक्षिक संस्थान – नालन्दा तक्षशिला, विक्रमशिला ।

खण्ड – ख : आर्थिक विकास

पाठ्यांश – कराधान, कृषि श्रेणी व्यवस्था, व्यापारिक तथा औधोगिक, वाणिज्य भूमि का अधिकार, आर्थिक इतिहास की धारणा ।
अभिस्तावित पुस्तकें –

1. प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति – अलकेतर,
2. प्राचीन भारत का आर्थिक इतिहास – राधाकृष्ण चौधरी,
3. प्राचीन भारत का धार्मिक, सामाजिक तथा आर्थिक इतिहास – सत्यकेतु विधालंकार,
4. प्राचीन भारतीय संस्कृति – विनोदचन्द्र पाण्डेय ।

Ancient Indian Asian Studies
B. A. Part III (Subsidiary)
प्राचीन भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास अनुपूरक
(हिन्दू सभ्यता से 647 AD) द्वितीय – पत्र
खण्ड – क : सामाजिक इतिहास

सामाजिक इतिहास की धारणा, संस्कार, वर्ण तथा आश्रम ।
विवाह – स्त्रियों की स्थिति, सुरक्षा, छुआछूत पुत्र के प्रकार ।
शिक्षा – प्राचीन भारत की शैक्षिक संस्थाएँ (नालन्दा, विक्रमशिला, तक्षशिला विश्वविध्यालय ।

खण्ड – ख : सामाजिक इतिहास

कराधान, कृषि, गिल्ड्स, व्यापार तथा वाणिज्य, भूमि का अधिकार ।
ऐतिहासिक जगहों की यात्रा सिलेबस का अंग है ।

A.I.A.S. (HONS.) PAPER V
Ancient Indian Asian Studies
प्राचीन भारतीय एवं एशियाई अध्ययन
दक्षिण पूर्व एशिया का राजनैतिक इतिहास
(प्रथम शताब्दी A.D. से 1500 A.D. तक)

दक्षिण पूर्व एशिया के इतिहास के अध्ययन का स्रोत । दक्षिण पूर्व एशिया का भारतीयकरण । दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय उपनिवेशवाद के कारण । दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय उपनिवेशवाद की जड़ें की जड़े । कम्बोडिया, फ्युनाम (Funam), केनिया, अंगकोर, राजवंश, वर्मा
पगान काल चम्पा, पानडुरंगा (Champa, Panduranga) गंगाराजा (Gangaraja) और भृंग राजवंश, श्रीविजया (Srivijaya) और माजापाहिटा (Majapahita) जावा के साम्राज्य – उत्थान और पतन, श्याम सुखोथाई और अनुध्या काल ।

अभिस्तावित पुस्तकें –

1. सुदूर पूर्व में भारतीय संस्कृति और उसका साहित्य – बी. एन. पूरी ।
2. दक्षिण पूर्व दक्षिणी एशिया में भारतीय संस्कृति – ले. सत्यकेतु विधालंकार ।

PAPER V (Alternative)
भारतीय धर्म और दर्शन

वैदिक धर्म, उपनिषद् का दर्शन, भारतीय दर्शन के छः विधियाँ । भक्ति आन्दोलन काल का उत्थान, वैष्णववाद, शिववाद का 697 A.D. तक पतन । महात्मा बुद्ध के जीवनी, उत्थान एवं उनके उपदेशों का प्रचार, बुद्ध परिषद् हीनयान, महायान, जैन के जीवनी का उत्थान तथा महावीर के उपदेशों का प्रचार प्रसार । जैन के धर्मदर्शन और जैनवाद ।

PAPER VI
GROUP 'A': शिलालेख (50 अंक)

ब्राह्मी और खरोष्ठी लिपि की उत्पाती और विकास । अशोक के II, XII, XIII शिलालेख, समुन्द्रगुप्त का इलाहाबाद के खम्भों पर अंकित लेख । जूनागढ़ में पत्थरी पर रुद्रदामन का लेख, बंसखेरा में तामपत्र पर हर्ष का लेख । नासिक में बशिष्टी पुत्र पुलमली का लेख । हाथीगुफा में खारवेल का लेख । बंसनगर में खम्भों पर हेलीओडरस (Helrodorus) का लेख । नालन्दा में ताम्रपत्र पर डेवापाला (Dewapala) का लेख तथा भिट्टारी में स्कन्दगुप्त का लेख, पुलकेशिन का अइहोल अभिलेख ।

GROUP 'B': मुद्राशास्त्र (50 अंक)

प्राचीन सिक्कों की उत्पत्ति, याचेयाज (Yaucheyas) और मलाया के पंच चिन्हित सिक्के, वासुदेव और कनिष्क के सिक्के, गुप्त शासकों का सोने और चाँदी के सिक्कें ।

अभिस्तावित पुस्तकें –

1. गुप्तकालीन मुद्रायें – एस. एस. आल्वेकर ।
2. प्राचीन भारतीय मुद्रायें – वासुदेव उपाध्याय ।

PAPER VII : प्राचीन सभ्यता (600 B.C. तक)

(A). मेसोपोटामिया सभ्यता, बेबीलोन की सभ्यता । असेरिया (Assyria)– समाज अर्थ और संस्कृति के विशेष संदर्भ में ।

(B). मिस्री सभ्यता (Egyptian) – समाज, अर्थ और संस्कृति ।
(c). पारसी सभ्यता– समाज, अर्थ और संस्कृति ।
(D). चीनी सभ्यता– समाज, अर्थ और संस्कृति ।
(E). ग्रीक सभ्यता– समाज, अर्थ और संस्कृति ।

PAPER-VIII: संग्रहण विधि एवं पर्यटन 100 अंक
GROUP 'A' : अजायबघर प्रणाली (75 अंक)

अजायबघर प्रणाली (Museum Method)- इतिहास, प्रकृति और अजायबघर के महत्व, वस्तुओं को संग्रहित करना, उनका प्रदर्शन, म्यूजियम गतिविधियाँ, म्यूजियम की वस्तुवों को सुरक्षित रखना और उसकी समुचित देखभाल ।
यात्रा (Tourism)- यात्रा का इतिहास, प्रकृति और महत्त्व, यात्रा के महत्व ।
पुस्तकें – संग्रहालय अनुशीलन – डी . राय . चौधरि ।

GROUP 'B' : पर्यटन (25)

एतिहासिक स्थानों का भ्रमण पाठ्यक्रम का एक हिस्सा नाना गया है । अत: यह आवश्यक है कि छात्र एतिहासिक स्थलों का भ्रमण कर एक रिपोर्ट अपने भ्रमण के आधार प्र तैयार कर जमा करें इस रिपोर्ट 15 अंक रखे गये है और मौखिक परीक्षा पर 10 अंक रखे गये हैं ।